

Friday

ऑटिज्म (Autism)

9.00
10.00
11.00
12.00
1.00

ऑटिज्म एक मानसिक रोग है जिसके लक्षण जन्म से या बाल्यावस्था में ही नजर आने लगते हैं। जिन बच्चों में यह रोग होता है उनका विकास अन्य बच्चों से असामान्य होता है। इसकी पहचान करने और नाम देने का सम्मिलित श्रेय Ljorkanner (1943) और And Asperger (1944) को जाता है।

2.00
3.00
4.00
5.00

ऑटिज्म में बच्चे बहुत अलग तरह का व्यवहार करते हैं जो कि एक घाट को बार-बार टोहराते रहते हैं। ये बीमारी मुख्य रूप से एक से पांच वर्ष तक के बच्चों में दिखाई देता है। ऑटिज्म रोग से ग्रस्त बच्चे अन्य बच्चों से अलग होते हैं।

6.00
7.00

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2 अप्रैल के दिन शुरुआत की थी। तब से विश्व में 2 अप्रैल को ऑटिज्म जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। 'ग्लोबल रोग' को ऑटिज्म का ग्लोबल माना जाता है। सौभाग्यवश अब अधिकारिता मंत्रालय के अख्तियार भारत में 10 में से एक बच्चों

Important Calls	✓ Things to Do	✓ Meetings
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>

ऑटिज्म के शिकार होते हैं और 80 बच्चों में से एक बيمारी से पीड़ित होता है। अधिक होने की अपेक्षा लड़कों को संभावना होती है।

ऑटिज्म क्या है? (What is Autism)

जब बच्चों का जन्म होता है तो उनके माता-पिता को यह बात पता नहीं होती है कि उनके बच्चे ऑटिज्म के शिकार हैं। यह बात उनको धीरे-धीरे पता लगती है।

जब उनका बच्चा डीक से बॉल नहीं मारा और स्नोबॉल प्लेन पर कोई जवाब नहीं देता माता है। एक बात को चरम बार बोलते हैं। लोगों से आँख से आँख नहीं मिला पाते हैं और नये लोगों से मिलने में डरते हैं।

ऑटिज्म रोग को मानसिक बीमारी खलीनता, दुःखरासता भी कहते हैं। ऑटिज्म के कारण भावित्क का विकास नहीं हुआ पाता है, व्यक्ति से सम्बंधित सभी चीजों में से ऑटिज्म तीव्र स्थान पर है। ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्ति अपने आप को बाहरी दुनिया का सम्झने लगता है।

Important Calls	Things to Do	Meetings
<input checked="" type="checkbox"/>		<input checked="" type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>

JUNE

ऑटिज्म के लक्षण Symptoms of Autism

- ① ऑटिज्म में रोगी मानसिक रूप से विकलांग ही सकता है।
- ② व्यक्ति को बोलने और सुनने में समस्या उत्पन्न होती है।
- ③ ऑटिज्म रोग से पीड़ित लोगों को मिर्ची के टॉरे भी पसंद सकते हैं।
- ④ कुछ लोगों में ऑटिज्म रोग गंभीर रूप से रहता है तो इसे ऑटिस्टिक डिस्ऑर्डर भी कहते हैं।
- ⑤ जिन व्यक्तियों में ऑटिज्म का प्रभाव कम होता है तो उन्हें (ASD) ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डि-आर्डर कहते हैं। उनके भीतर (SSD) एस्पेजर सिंड्रोम होते हैं।

(ऑटिज्म बच्चों में कैसे पहचानें) How to Recognize Autism in Hindi

- ① हमको अफले पटना परसंद नाही होता है
- ② राजाना एक तरह का खेल खेलना परसंद करते है।
- ③ यह जल्दी किसी से बात नहीं करते है
- ④ यह सामान्य बच्चों की तरह नहीं खेलते है
- ⑤ यदि किसी के सवाल का जवाब नहीं दे पाते है और एक बात को बहुत बार दोहराते रहते है

Important Calls	Things to Do	Meetings
<input checked="" type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>

- 6 यह बात करते समय उंगलियों और हाथों का संकेत नहीं करते हैं।
- 7 यह बहुत अधिक बेचैन हो जाते हैं, खुद को बहुत सक्रिय महसूस करते हैं। खुद को बहुत भी काम रूकसटिम लेवल पर करते हैं।
- 8 यह बहुत अधिक कुशल नहीं होते हैं और बाकी अन्य बच्चों से कुशल अलग होते हैं।

ऑटिज्म होने के कारण (The Causes of Autism)

- वैज्ञानिकों के बीच में ऑटिज्म का मुख्य कारण क्या है - वह अब तक पता नहीं चल पाया है।
- 1 कई कारणों को समझते हैं।
 - 2 गर्भविद्या के समय माँ को कोई बीमारी होना।
 - 3 बच्चों को जल्दी टीके ना लगवाना।
 - 4 बच्चों के आस्टिष्क का खूब रूप से विकास नहीं होना।
 - 5 बच्चों को गर्भविद्या के दौरान या जन्म के बाद ठीक से टीके ना लगवाना।

Important Calls	✓	Things to Do	✓	Meetings	✓
	<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>
	<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>
	<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>

ऑटिज्म के प्रभाव को कम करने के लिए दो धरणी का अयोग किया जाता है

9.00

① Behaviour and Communication Therapy

10.00

इस धरणी में बच्चों को लोगों से बात करना है। यह सिखाया जाता है समाज में अपने आप को फिट रख रखना है। लोगों के साथ बात करना है। यह सब गुण सिखाये जाते हैं।

11.00

12.00

1.00

② Educational Therapy

3.00

4.00

5.00

ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों को घर पर शिक्षा दी जाती है। विशेष रूप से शिक्षा देते हैं। जो बच्चों को विद्यालय में शिक्षा देते हैं। जिनसे यह भी समाज में रहने का कौशल बन पाये

③ स्पीच थेरेपी -

6.00

Precautions For Autism

7.00

चूंकि वर्तमान में आत्मकेंद्रित का कारण अज्ञात है इसलिए आत्मकेंद्रित को रोकने के लिए कोई दिशा-निर्देश नहीं है। कुछ कारण हैं जो आत्म-मिता अपन बच्चों

Important Calls	✓ Things to Do	✓ Meetings
	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>

प्रभावित करने से रोकने के लिए प्रयत्न कर सकते हैं। जैसा कि...

1. गर्भविद्या के दौरान उचित देखभाल जिसका अर्थ है दवाओं और दवाओं से बचना जो गर्भवती महिलाओं के लिए उपयोग नहीं है।

2. गर्भविद्या के दौरान धूम्रपान या शराब नहीं पीना है।

3. एक स्वस्थ जीवन शैली जीना और किसी व्यक्ति को प्रभावित करने वाली किसी भी बीमारी के लिए उचित देखभाल और उपचार प्राप्त करना।

4. ऑस्टिज्म से पीड़ित बच्चों और किशोरों की लगातार निगरानी की जानी चाहिए। लंबे समय तक उन्हें झुकना होना सुरक्षित नहीं है।

5. ऑस्टिज्म से पीड़ित बच्चों और युवा व्यक्तियों के सुरक्षित वातावरण से बाहर निकलने या भागने की संभावना है। माता-पिता को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इन बच्चों का सही अवसर ना मिले।

ऑस्टिज्म के लिए कुछ घरेलू उपचार -
Home Remedies for Osteoporosis

ऑस्टिज्म के आधिनाश करने वाले उपचारों में उचित डाइट, सप्लीमेंट डाइट और उपचार प्रदान करना शामिल है। खाने के लिए

Important Calls	<input type="checkbox"/>	Things to Do	<input checked="" type="checkbox"/>	Meetings	<input checked="" type="checkbox"/>
	<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>
	<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>
	<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>		<input type="checkbox"/>

खाद्य पदार्थों की सूचीबद्ध करना आवश्यक है।
 9.00 आमतौर पर मैग्नीशियम युक्त आहार, विटामिन डी से भरपूर डाइट, फिश आयल
 10.00 आवश्यक तेल आदि खाने की सलाह दी जाती है। चीनी, सोंया आदि से बचने की सलाह दी जाती है। संचार चिकित्सा
 11.00 व्यवहार और भाषण चिकित्सा घर पर अभ्यास करना है ताकि रोगी को सुरक्षित और सकारात्मक महसूस कराया जा सके।
 12.00 अंत में आयुर्वेद और चीनी चिकित्सा के वैकल्पिक प्राकृतिक घरेलू उपचार के रूप में भी खोजा जा सकता है।

आटिज्म सुधार में खाद्य पदार्थ -

4.00 अध्ययनों ने सुझाव दिया है कि कुछ भाव और आहार क्लिप आटिज्म वाले व्यक्तियों में सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।
 5.00 ओमेगा 3 फैटी एसिड्स और मरिनेट्स के विकास को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है।
 6.00 यही कारण है कि उन्हें आल्मर्कोइड वाले लोगों के लिए भी अनुशंसित किया जा रहा है। हालांकि, अनुसंधान निश्चित रूप से सलाह नहीं देता है कि यह आटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों में सुधार ला सकता है।

10 11 12 13 14 15 16
17 18 19 20 21 22 23
24 25 26 27 28 29 30

2019 10
Wk 20 • 138-227
Saturday

संज्ञाचिह्नितियों में सुधार करने के लिए जाना जाता है और कि कम ध्यान क्षमता और चिंतन के साथ समस्याओं के कारण पर उन लोगों में देखे जाते हैं जो आंशिक रूप से पीड़ित हैं। इसलिए मैग्नीशियम की सुरक्षा रूढ़ि लक्षणों में सुधार करने में मदद कर सकती है।